भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3525
उत्तर देने की तारीख-10/08/2026

पंजाबी भाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना

†3525. **श्री मलविंदर सिंह कंग:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजाबी भाषा में उच्च शिक्षा, प्रबंधन शिक्षा और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;
(ख) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत पंजाबी में कोई पाठ्यपुस्तकें, डिजिटल शिक्षण सामग्री और अनुसंधान प्रकाशन तैयार किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान इस उद्देश्य के लिए आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है; और
(घ) केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा के माध्यम के रूप में पंजाबी भाषा को मजबूत करने के लिए भावी रूपरेखा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बहुभाषावाद के महत्व पर प्रकाश डाला गया है और सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। एनईपी 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप, सरकार ने समर्पित संस्थानों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए कई पहल की हैं।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), जो शिक्षा मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय हैं, ने भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने और डिजिटल ज्ञान आधार के निर्माण की सुविधा प्रदान करके पंजाबी सहित सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं:

- एआईसीटीई ने एआईसीटीई -मान्यता प्राप्त उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) को पंजाबी सहित भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए 30 या 60 अतिरिक्त सीटों के साथ एक अतिरिक्त सेक्शन की शुरुआत का प्रावधान किया है।

- एआईसीटीई ने पंजाबी सहित भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग (डिग्री और डिप्लोमा) पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्ष 2021-22 के दौरान तकनीकी पुस्तक लेखन और अनुवाद योजना शुरू की है।

- एआईसीटीई ने अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में तकनीकी पाठ्यपुस्तकों के डिजिटल भंडार के रूप में ई -कुम्भ पोर्टल विकसित किया है, जो गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षण संसाधनों तक निशुल्क पहुंच प्रदान करता है। पोर्टल संस्थानों, संकाय सदस्यों, छात्रों और अन्य हितधारकों के लिए तकनीकी शिक्षण संसाधनों तक निशुल्क पहुंच प्रदान करता है।

- तकनीकी शिक्षा में पंजाबी सहित भारतीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एआईसीटीई-वाणी (भारतीय भाषाओं की उन्नति और पोषण के लिए जीवंत सहायता) योजना शुरू की गई है। यह योजना 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और उद्योग पेशेवरों को तकनीकी शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में ज्ञान, नवाचारों और अनुसंधान का प्रसार करने और भारतीय भाषाओं में ज्ञान का आधार बनाने में योगदान करने में सक्षम बनाया जा सके।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), सामाजिक और मानव विज्ञान में अनुसंधान के लिए भारत सरकार का एक प्रमुख निकाय है, जो अनुसंधान परियोजनाओं, अध्येतावृत्ति, सहयोगात्मक अध्ययन और विशेष अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देता है। इन कार्यक्रमों के तहत, आईसीएसएसआर ने पंजाबी भाषा और साहित्य पर शोध का समर्थन किया है और पंजाबी भाषा, साहित्य और संबद्ध विषयों पर काम करने वाले शोधार्थियों के लिए वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, पोस्ट -डाक्टोरल अध्येतावृत्ति और डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति भी प्रदान करता है।

उच्चतर शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में पंजाबी और अन्य भारतीय भाषाओं के उपयोग को मजबूत करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने अपने संस्थानों और स्वायत्त निकायों के माध्यम से कई उपाय किए हैं। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसूरु, जो शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है, सभी भारतीय भाषाओं के अनुसंधान, प्रलेखन, प्रचार, शिक्षण, संरक्षण और परिरक्षण का कार्य करता है। भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधन प्रदान करने के लिए, सीआईआईएल, मैसूरु द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय अनुवाद मिशन (एनटीएम) कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों में ज्ञान ग्रंथों के अनुवाद और प्रकाशन का कार्य करता है, साथ ही अनुवादक प्रशिक्षण और अनुवाद संसाधनों के विकास को भी बढ़ावा देता है। मिशन के तहत, प्रिंट में ज्ञान ग्रंथ और ई बुक, इतिहास और लोकप्रिय विज्ञान पुस्तकों में अनुवाद समकक्ष संसाधन प्रकाशित किए गए हैं। इसके अलावा, गहन प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 141 पंजाबी अनुवादकों को प्रशिक्षित किया गया है।

भारतीय भाषाओं में भाषा संसाधनों की उपलब्धता को और बढ़ाने के लिए, भारतीय भाषाओं के लिए भाषाई डेटा कंसोर्टियम (एलडीसी -आईएल), सीआईआईएल, मैसूरु द्वारा कार्यान्वित, पंजाबी सहित भारतीय भाषा के लिए भाषा डेटासेट के विकास और प्रसार का कार्य करता है। आज तक, 70 से अधिक

डेटासेट जारी किए गए हैं जिनमें पाठ, भाषण और वाक्य-अनुकूल स्पीच कॉर्पस शामिल हैं और यह जनता की पहुंच के लिए पोर्टल https://data.ldcil.org. पर भी उपलब्ध है। इस योजना के तहत, पंजाबी भाषा के कोष में 1.01 करोड़ से अधिक शब्दों का नया पाठ कोष, 467 वक्ताओं को कवर करने वाला 100 घंटे से अधिक रिकॉर्ड किए गए भाषण का नया भाषण कोष, 449 वक्ताओं से 31,338 ऑडियो खंडों का वाक्य-अनुकूल भाषण कोष, जिसमें 52 घंटे से अधिक रिकॉर्ड किए गए भाषण शामिल हैं, और भारत की मातृभाषा समानांतर पाठ कोष खंड 1 में 147 मातृभाषाओं, जिनमें पंजाबी भी शामिल है, को कवर करने वाली 152 व्याकरणिक श्रेणियों में 5,332 वाक्य शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय, सीआईआईएल, मैसूरु के जरिए, बहुभाषी 'भारतवाणी' वेब पोर्टल (www.bharatavani.in) और मोबाइल ऐप के माध्यम से पंजाबी सहित भारतीय भाषाओं में ज्ञान के संसाधनों के डिजिटाइज़ेशन और प्रसार को बढ़ावा देता है। पंजाबी डोमेन में अभी 36 भाषा-अधिगम के संसाधन, 299 विश्वकोश जैसी सामग्री, 21 पीडीएफ़ शब्दकोश, 5 टेक्स्ट-शोध करने योग्य शब्दकोश और 1 भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) संसाधन मौजूद हैं, जो पंजाबी भाषा को सीखने, सिखाने और उस पर अनुसंधान करने में मदद करते हैं।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019 में पूर्ण विकसित पंजाबी भाषा विभाग की स्थापना की है। उच्चतर शिक्षा के माध्यम के रूप में पंजाबी को बढ़ावा देने के लिए, विश्वविद्यालय ने जन संचार और मीडिया अध्ययन विभाग में छात्रों को अपनी अंतिम परीक्षा पंजाबी भाषा में लिखने की अनुमति देने की नीति को मंजूरी दी है।

****